51वाँ दीक्षान्त समारोह

7 नवम्बर, 2020

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

भा.प्रौ.सं. दिल्ली

दूरगामी दृष्टि

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान में उत्कर्ष द्वारा भारत और विश्व के लिए योगदान करना; बहुमूल्य संसाधन के रूप में उद्योग तथा समाज की सेवा करना तथा समस्त भारतीयों के लिए गौरव का स्रोत बने रहना।

लक्ष्य

अद्यतन अनुसंधान में व्यस्त रहते हुए नवीन ज्ञान सृजित करना तथा समसामयिक ज्ञान से अलंकृत पूर्व–स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रम प्रस्तुत करके शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना।

भारतीय, क्षेत्रीय तथा वैश्वीकृत आवश्यकताओं के बारे में प्राप्त बोध के आधार पर विशेषज्ञता के उन क्षेत्रों की पहचान करना जिन पर संस्थान अपना ध्यान केन्द्रित कर सके।

ऐसी सहयोगात्मक परियोजनाओं पर कार्य करना जो शैक्षिक संस्थानों एवं उद्योग जगत के बीच दीर्घकालिक अन्योन्यक्रिया के अवसर प्रदान करती हो।

मानवी अन्तःशक्तियों को अपनी सम्पूर्ण क्षमता में विकसित करना जिससे कि बौद्धिक रूप से सक्षम एवम् कल्पनाशील नेतृत्व व्यवसायों की श्रृंखला में उभर सके।

नैतिक मूल्य

- शैक्षिक सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही।
- हर व्यक्ति के विचारों का आदर एवं सहिष्णुता।
- राष्ट्र एवम् विश्व से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केन्द्रित करना।
- मानव विज्ञान सहित व्यापक अवबोध।
- बौद्धिक श्रेष्ठता तथा सर्जनात्मकता का मूल्यांकन करना।
- अनुसन्धान, तर्कपरकता तथा उद्यम की उन्मुक्त प्रवृत्ति।

अनुक्रम

1.	निदेशक का प्रतिवेदन	1
2.	अध्यक्ष, अभिशासक परिषद का दीक्षान्त संबोधन	29

निदेशक का प्रतिवेदन

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी, समारोह के मुख्य अतिथि – माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, विशिष्ट अतिथि – माननीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री संजय धोत्रे जी, डॉ. आर. चिदंबरम, अध्यक्ष, अभिशासक परिषद, अभिशासक परिषद् और अभिषद के सदस्य, डिग्री प्राप्त करने वाले, विशिष्ट अतिथिगण, संकाय सदस्य, स्टाफ, देवियों और सज्जनो।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के विशेष स्वर्ण जयंती वर्ष और 51वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में आप सभी का स्वागत करना और हमारी गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त रिपोर्ट पेश करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। हम इस अवसर पर श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय प्रधान मंत्री जी गरिमामयी उपस्थिति पर हम बहुत सम्मानित गौरान्वित महसूस कर रहे हैं, जिन्होंने इस महान अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहमति दी।

श्री नरेंद्र मोदी ने 30 मई, 2019 को भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत थी। आजादी के बाद पैदा होने वाले पहले प्रधानमंत्री, श्री मोदी ने पहले 2014 से 2019 तक भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया है। उन्हें अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक अपने कार्यकाल के साथ गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का गौरव भी प्राप्त है।

प्रधान मंत्री मोदी को सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान किंग अब्दुलअजीज सहित विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया है। श्री मोदी को रूस के शीर्ष पुरस्कारों (द ऑर्डर ऑफ द होली एपोटल एंड्रयू द फर्स्ट), फिलिस्तीन (फिलिस्तीन के ग्रैंड कॉलर), अफगानिस्तान (अमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार), यू.ए.ई. (जायद पदक) और मालदीव (निशान इजुद्दीन का शासन) से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2018 में, प्रधान मंत्री ने शांति और विकास में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित सियोल शांति पुरस्कार से नवाजा गया। श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक दिन को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में आह्वान करने तथा चिह्नित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र में जबरदस्त सराहा गया। इस पहल में, दुनिया भर में कुल 177 राष्ट्र एक साथ आए और 21 जून को 'संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया। श्री नरेंद्र मोदी एक 'पीपुल्स लीडर' हैं, जो आम जन मानस की समस्याओं को हल करने और उनकी भलाई करने के लिए समर्पित हैं। लोगों के बीच रहने, उनकी खुशियाँ साझा करने और उनके दुखों को दूर करने से ज्यादा कुछ भी उनके लिए संतोषजनक नहीं है। जमीन पर लोगों के साथ उनका प्रबल 'व्यक्तिगत जुड़ाव' एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। वह भारत के सर्वाधिक तकनीकी की समझ रखने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं, जो लोगों तक पहुँचने और उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए वेब का उपयोग करते हैं। वे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, साउंड क्लाउड, लिंक्डइन, वीबो और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों

पर बहुत सक्रिय हैं। राजनीति से परे, श्री नरेंद्र मोदी लेखन में भी विशेष रूचि रखते है। उन्होंने कविता के साथ–साथ कई किताबें भी लिखी हैं। वे अपने दिन की शुरुआत योगा से करते है, जो उनके तन, मन और मस्तिस्क को प्रबलता प्रदान करती है और व्यस्त दिनचर्या में आत्मसंवरण की शक्ति देती है। संस्थान की ओर से, मैं माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक स्वागत करता हूं।

हम श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी और श्री संजय धोत्रे जी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होने इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सहमति प्रदान की। उन्होने सदैव संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में अपने मार्गदर्शन और समर्थन का विस्तार किया है, जिसके कारण संस्थान को श्रेष्ठ संस्थान बनाने की ओर अग्रसर होने में सहायता मिली है। संस्थान की ओर से, मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

मैं इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. आर. चिदंबरम का भी स्वागत करता हूं, जिन्होंने हाल ही में भा.प्रौ.सं. दिल्ली के अभिशासक परिषद के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है। वह एक प्रसिद्ध भारतीय भौतिक विज्ञानी हैं और भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में उनकी अभिन्न भूमिका के लिए जाने जाते हैं; उन्होंने पोखरण–I (1975) और पोखरण–II (1998) के लिए परीक्षण तैयारी का समन्वय किया। हम उत्कृष्टता के लिए उच्चतम स्तर तक संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए उनके मार्गदर्शन, समर्थन और दिशा की अपेक्षा करते हैं।

सर्वप्रथम, मुझे आप सभी के साथ साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि यह वर्ष हम सभी के लिए कुछ खास है कि हमारा संस्थान 16 अगस्त, 2020 से शुरू होने वाले हीरक जयंती वर्ष मना रहा है। हीरक जयंती वास्तव में किसी भी संस्थान के लिए एक उपलब्धि है। 17 अगस्त, 2020 को वर्ष भर चलने वाले हीरक जयंती समारोह के उद्घाटन के लिए भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और माननीय शिक्षा मंत्री का धन्यवाद करना चाहते हैं। मैं इस विशिष्ट उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली समुदाय, छात्र–छात्रओं, पूर्व छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को बधाई देता हूं। भा.प्रौ.सं. दिल्ली, स्वतंत्र भारत के सबसे पुराने संस्थानों में से एक हैं। हमारे पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान की विरासत है, और हम अगले एक दशक में एक ठोस कार्ययोजना के साथ इस विरासत को आगे ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इस आयोजन के उद्घाटन के दौरान संस्थान के हीरक जयंती चिन्ह और कार्यनीति दस्तावेज भी जारी किए गए। हमारे पूर्व छात्र और संकाय टीम ने मैकिन्से के साथ मिलकर संस्थान के लिए 2030 की कार्यनीति दस्तावेज पर कार्य किया है, जो कि 17 अगस्त, 2020 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया था। कार्यनीति दस्तावेज में उल्लिखित सुझावों के निष्पादन के लिए हमारे पूर्व छात्रों को शामिल करते हुए एक कार्यान्वयन टीम भी बनाई गई है।

स्वतंत्रता के पश्चात् शिक्षा के आधुनिक मंदिरों के रूप में 1951 (भा. प्रौ. सं. खड़गपुर) से 1961 (भा. प्रौ. सं. दिल्ली) के दौरान पांच पुराने भा. प्रौ. सं. की स्थापना

की गई थी। भा.प्रौ.सं. दिल्ली, पुराने 5 भा.प्रौ.सं. में से सबसे पुराना होने के कारण, इसमें वे सभी विशेषताएं भी शामिल हैं जो आमतौर पर परिवार में सबसे छोटे बच्चे को दी जाती हैं; अत्यधिक सामाजिक और ऊर्जावान, आत्मविश्वास, रचनात्मक और समस्या समाधान में अग्रसर। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के संस्थापक निदेशक प्रो. आर. एन. डोगरा के साथ शुरू, जिन्होंने भा.प्रौ.सं. की नींव रखी, इन सभी गुणों का पालन और पोषण किया और शिक्षा अनुसंधान और नवाचार के लिए उत्कृष्टता केंद्र बन गए। पांच पुराने भा.प्रौ.सं. ने शुरू में इन विशिष्ट भा.प्रौ.सं. में से प्रत्येक के साथ एक समान प्रक्षेप पथ का पालन किया, जो विशिष्ट देश द्वारा उल्लेखित है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के संस्थापक भागीदार के रूप में ब्रिटेन था। भा.प्रौ.सं. को स्नातक केंद्रित संस्थानों के रूप में स्थापित किया गया था। वे जल्द ही पूर्व–स्नातक शिक्षा के लिए विश्व के बेहतरीन संस्थान बन गए। 1990 के बाद से, भा.प्रौ.सं. ने अनुसंधान पर अधिक से अधिक ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया और भा.प्रौ.सं. दिल्ली में अब हमारे पास स्नातक से अधिक स्नातकोत्तर छात्र हैं। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में, विशेष रूप से रिसर्च इंपेक्ट के लिए, भा.प्रौ.सं. दिल्ली को लगातार साइटेशन/संकाय डेटा के लिए दुनिया के शीर्ष 100 संस्थानों में स्थान दिया गया है।

पिछले दशक में कुछ और भी बदलाव आए हैं। कई भा.प्रौ.सं. दिल्ली के छात्रों ने भारत में वापसी और राष्ट्रीय विकास में सीधे योगदान देना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए पिछले 5 वर्षों में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के 5% से भी कम छात्रों ने विदेश में व्यवसाय का विकल्प चुना है। मैं हमारे पूर्व छात्रों को धन्यवाद देता हूं, भा.प्रौ.सं. दिल्ली वर्ल्ड लीडर के रूप में उभरा है और भारत में उद्यमिता के क्षेत्र में # 1 स्थान पर है और दुनिया के शीर्ष 10 संस्थानों में शामिल है। यह रैंक विशेष रूप से यूनिकॉर्न संस्थापकों के उत्पादन के लिए है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व छात्रों ने अब तक कुल 15 यूनिकॉर्न की स्थापना की है। 21 भारतीय यूनिकॉर्न (अगस्त 2020 तक) में 8 यूनिकॉर्न में भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व छात्र सह–संस्थापक हैं।

मुझे यह साझा करते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि भा.प्रौ.सं. दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एन.आई. आर.एफ. 2020 के लिए इंजीनियरिंग श्रेणी में दूसरे और समग्र रूप से तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के प्रबंधन स्कूल को एन.आई.आर. एफ. द्वारा आठवां स्थान दिया गया है। अन्य डोमेस्टिक रैंकिंग में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली को इंडिया टुडे के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों के सर्वेक्षण में पहला और आउटलुक की रैंकिंग में दूसरा स्थान दिया गया है। क्यू.एस. ग्लोबल विषय रैंकिंग में इंजीनियरिंग और टेक्नालॉजी विषय श्रेणी में भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने पिछले साल अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए इस वर्ष 61 से 47 तक सुधार किया है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली क्यू.एस. द्वारा इंजीनियरिंग और टेक्नालॉजी के लिए दुनिया के शीर्ष 50 में शुमार देश के केवल दो इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक है। रिसर्च इंपेक्ट के आधार पर भा.प्रौ.सं. दिल्ली को लगातार विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में स्थान दिया गया है, जो कि

क्यू.एस. द्वारा अपनी विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग के रूप में प्रकाशित किए गए उद्धरणों/फैकल्टी डाटा पर आधारित है। पूर्व छात्रों के बीच स्टार्टअप संस्थापकों के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली को देश में # 1 स्थान दिया गया है और यूनिकॉर्न (बिलियन डॉलर मूल्यवान कंपनियों) संस्थापकों के लिए दुनिया के शीर्ष 10 संस्थानों में स्थान दिया गया है।

जैसा कि पहले बताया गया था, भा.प्रौ.सं. दिल्ली को पांच साल की अवधि के लिए 2018 में इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आई.ओ.ई.) से सम्मानित किया गया था और संस्थान ने इस संबंध में कई पहल की हैं। एक विस्तृत स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद 2018 में प्रख्यात संस्थान के रूप में भा.प्रौ.सं. दिल्ली को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पहले 3 संस्थानों में से एक है। सम्पूर्ण संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान के लिए आई.ओ.ई. मान्यता और इस स्थिति के तहत संस्थान की पहल पर की जा रही प्रगति के लिए अग्रणी पूर्व छात्रों, सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों, पूर्व नेतृत्व और संस्थान के पूर्व कर्मचारियों के साथ–साथ हमारे शुभचिंतकों पर आधारित हैं।

यह सामूहिक प्रयास हैं जिन्होंने पिछले 5 वर्षों में भा.प्रौ. सं. दिल्ली को अभूतपूर्व विकास पथ पर पहुँचाया है। पिछले 5 वर्षों में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली संकाय और छात्रों ने 10000 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र लिखे हैं, 500 से अधिक पेटेंट दायर किए हैं, 350 से अधिक उद्योग परियोजनाओं को निष्पादित किया है और दुनियाभर से प्रतिस्पर्धी अनुदानों से 1300 करोड़ रुपये से अधिक अनुसंधान निधि प्राप्त की है। हमने पूर्व छात्रों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों से वित्त पोषण के साथ 13 नए उत्कृष्टता केंद्र भी बनाए हैं। ये संख्या संस्थान की स्थापना के बाद से किसी भी पिछले 5 साल की अवधि की तुलना में कहीं भी 2X से 4X अधिक है। इसके अलावा, पिछले एक वर्ष में संस्थान को निधि दान के लिए हमारे पूर्व छात्रों की प्रतिबद्धता संस्थान में प्राप्त दान के पिछले 55 वर्ष से अधिक है। हम अपने सभी पूर्व छात्रों, उद्योगों और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों का धन्यवाद करते हैं जो हम पर भरोसा करते हैं। हमारे शोध भी अपने क्षेत्र पर अपना प्रभाव दिखा रहे हैं। अकेले कोविड समय के दौरान, देश की कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए भा. प्रौ. सं. दिल्ली ने देश और दुनिया को कई प्रौद्योगिकियां दीं, रोकथाम के लिए (पिछले 6 महीनों में 4.5 मिलियन से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले पी.पी.ई), खोज (दुनिया का सबसे सस्ती आर.टी–पी.सी. आर परीक्षण जो देश में उपयोग किया जा रहा है) और उपचार (वैज्ञानिक रूप से भारतीय पारंपरिक दवाओं की प्रभावशीलता को प्रमाणित करता है) ।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली की सामूहिक दृष्टि उच्च प्रभाव अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान को आगे बढ़ाने और तकनीकी रूप से निपुण और सामाजिक रूप से जागरूक प्रोफेशनलों के लिए ज्ञान को आगे बढ़ाने और नवाचार से प्रेरित उद्यमिता को उत्प्रेरित करने के लिए दुनिया का एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जिससे राष्ट्र और वैश्विक समाज की जरूरतें निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति होती है। हमारा प्रयास बार को ऊपर उठाना और स्वयं

के लिए और देश के बाकी हिस्सों के लिए उच्च मानक स्थापित करना है।

वित्त वर्ष 2019–20 में, संस्थान को 0920 योजना (IIT को सहायता) के तहत अनुदान के रूप में 611.69 करोड़ रूपए (अनुदान के रूप में व्यय के लिए 541.60 करोड़ रूपए और गैर–आवर्ती व्यय के लिए 70.00 करोड़ रूपए) प्राप्त हुए। संस्थान ने फीस, प्रायोजित अनुसंधान, परामर्श और सतत शिक्षा कार्यक्रमों से आंतरिक राजस्व सृजन के माध्यम से वास्तविक आवर्ती व्यय का लगभग 16.17% उत्पन्न किया।

अनुसंधान और विकास गतिविधियां

मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि अनुसंधान भा.प्रौ.सं. दिल्ली की संस्कृति के लिए प्रमुख है और हमारे संकाय सदस्यों और अनुसंधान समुदाय ने पिछले एक साल में 2,470 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में, कुल 316 प्रायोजित परियोजनाओं को संस्थान को कुल 344 करोड़ रूपए स्वीकृत हुए। औद्योगिक परामर्श संस्थान में गतिविधि का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। संस्थान द्वारा किए गए औद्योगिक परामर्शी परियोजनाओं की प्रकृति और सीमा तथा अन्य संस्थानों के साथ इसकी विश्वसनीयता का एक सूचकांक है। पिछले वित्तीय वर्ष में, कुल 345 परामर्श परियोजनाओं को एफआईटीटी के माध्यम से किए गए 67 परियोजनाओं सहित 35.95 करोड़ स्वीकृत किये गए। संस्थान ने एक करोड़ रूपए से अधिक मूल्य के 27 उच्च मूल्य के प्रोजेक्ट भी प्राप्त किए। सबसे प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं, परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (साथी) की स्थापना, डीएसटी – बैटरी पर आईआईटीडी ऊर्जा भंडारण मंच (ईएसपीओबी), कोबोटिक्स पर प्रौद्योगिकी नवाचार हब का निर्माण (टी.आई.एच), सी.ओ.ई.एस. आई. के तहत सतत भवन अवसंरचना का डिजाइन और प्रदर्शन और भारत की नीति विश्लेषण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए चिल्ड्रेन्स इनवेस्टमेंट फंड फाउंडेशन, यू.के. के साथ ऊर्जा और पर्यावरण की चुनौतियों को पूरा करना।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने इस वर्ष उद्योग और सरकारी निकायों के साथ 30 अनुसंधान समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से कुछ अंतर्राष्ट्रीय भी हैं।

संस्थान वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में अग्रसर रहने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। संस्थान भा.प्रौ.सं. दिल्ली, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन, यू.के. क्लेम्सन यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. और नेशनल चियाओ तुंग विश्वविद्यालय (एन.सी.टी.यू), ताइवान, हमारे द्वारा शुरू की गई बहु–संस्थागत अंतःविषय अनुसंधान कार्यक्रम (एम.एफ.आई.आर.पी) के तहत के संकायों के बीच 25 संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है;

ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया, बेलारूस, ब्राजील, कनाडा, डेनमार्क, इथियोपिया, यूरोपीय आयोग, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, हॉलैंड, हंगरी, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान के विभिन्न संस्थानों और संगठनों के साथ बड़ी संख्या में सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। कोरिया, कुवैत, लाटविया, नीदरलैंड, नेपाल, पोलैंड,

पुर्तगाल, रूस, स्लोवेनिया, स्वीडन, श्रीलंका, स्विटजरलैंड, ताइवान, ट्यूनीशिया, ब्रिटेन, अमेरिका, आदि राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों में भी प्रमुख अनुसंधान गतिविधियां की गई हैं। संस्थान ने पिछले एक वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता के साथ कुल 20 नए सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया है।

उपरोक्त 25 परियोजना से संबंधित समझौतों के अलावा, संस्थान ने (i) ओपन हेल्थ सिस्टम्स लेबोरेटरी (OHSL), यू.एस.ए., (ii) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), बेंगलुरु, (iii) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), नई दिल्ली (iv) मास्टर कार्ड टेक्नोलॉजी प्रा.लि., पुणे (v) इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायिलरी साइंसेज (ILBS), नई दिल्ली के साथ पांच प्रमुखसहकार्यता समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इनमें से कुछ प्रमुख शोध पहलों और सहकार्यता को विस्तार देने के लिए – दिल्ली में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित कोबोटिक्स पर प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन हब (TIH) अनुसंधान के लिए पांच साल की अवधि के लिए 170 करोड़ रुपये के की वित्तीय सहायता के साथ रोबोट और मानव बातचीत के बहु–विषयक क्षेत्रों मेंय अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (एसएटीएचआई) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित है, जिसमें पांच साल के लिए 125 करोड़ रुपये के फंडिंग के साथ अत्याधुनिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए अवस्थापना सुविधाओं की वृद्धि की गई हैय ओपन हेल्थ सिस्टम्स लेबोरेटरी (OHSL), यूएसए के साथ एक समझौता करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में कम्प्यूटेशनल और बायोमेडिकल साइंसेज के लिए उत्कृष्टता केंद्र (ICECB) स्थापित करने के लिए पांच साल की अवधि के लिए 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के साथ कैंसर बायोलॉजी और थेरेपी, आयुर्वेद, ड्रग डेवलपमेंट एंड डिस्कवरी और रिकंफिगुरेबल कम्प्यूटिंग और हाइब्रिड क्लाउड कम्प्यूटिंग के क्षेत्र उन्नत अनुसंधान शामिल है।

संयुक्त राष्ट्रीय विश्व खाद्य कार्यक्रम (UNWFP) ने खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और भंडारण से संबंधित परियोजना का समर्थन करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने सड़क अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए सहयोगी अनुसंधान के लिए भा. प्रौ. सं. दिल्ली के साथ भागीदारी की है। इसके लिए, 6 अगस्त 2020 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राजमार्गों के लिए एडवांस डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (ADM) पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) 15 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से पांच साल की अवधि के लिए भा. प्रौ. सं. दिल्ली में व्यवस्था की जाएगी ।

मैसर्स मास्टरकार्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड पुणे ने पेमेंट टेक्नोलॉजी के पहलुओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स इत्यादि के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अंत में, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर बायलरी साइंसेज (ILBS), नई दिल्ली, और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली ने 22 सितंबर 2020 को लिवर रोगों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और

कुछ केंद्रित क्षेत्रों जैसे – मशीन लैंग्वेज (एमएल), सेंसर डेवलपमेंट, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, बिग डेटा आदि में बहु–विषयक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने आई.सी.एम.आर. के साथ मिलकर नवीन चिकित्सा तकनीकों और उत्पादों में तेजी लाने के लिए मेडिकल डिवाइसेस पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) की शुरुआत की है। सीओई का प्राथमिक फोकस एक एकल–बिंदु सुविधा स्थापित करना है जो डिजाइन, सीमित उत्पादन और परीक्षण सुविधा (सीई/आईएसओ प्रमाणन के अनुसार) विकसित करके उत्पादों को अवधारणाओं का अनुवाद करने में मदद कर सकता है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक शोध परियोजना के माध्यम से, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली द्वारा उपयोग किए जाने वाले क्रॉस–संदूषण के बिना मिट्टी के निरंतर मुख्य नमूने प्रदान करने में सक्षम एक अत्याधुनिक उपकरण प्राप्त किया गया है। यह उपकरण भारत में अपनी तरह का पहला उपकरण है और आमतौर पर उच्च रिजॉल्यूशन साइट के लक्षण वर्णन के लिए उपयोग किया जाता है।

अक्टूबर 2019–20 की अवधि के दौरान, 146 पेटेंट और आईपी दाखिल किए गए थे और संस्थान द्वारा 18 लाइसेंसिंग सौदों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अलावा, अंतःविषयक अनुसंधान संस्कृति को बढ़ाने के लिए अन्य संस्थानों के साथ भी हमारा जुड़ाव की प्रक्रिया जारी है जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIM), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (NII) और अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान (AIIA) के साथ 86 संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजनाएं (FIRP) और 89 बहु–संस्थागत FIRP परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, 19 छात्र स्टार्ट–अप एक्शन और 32 डिस्कवर एंड लर्न परियोजनाओं को समर्थन दिया गया है।

संस्थान में डी.आर.डी.ओ.–संयुक्त उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र के तहत सफलतापूर्वक शोध को लागू कर रहा है।

वर्ष 2017 में पेश किए गए DST के NIDHI–सीड सपोर्ट सिस्टम (NIDHI) कार्यक्रम के तहत, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (FITT) इकाई को एक करोड़ रूपए का सहयोग प्रदान किए गए हैं। अब तक नौ इन्क्यूबेट को 3.24 करोड़ रूपए का सहयोग प्रदान किया गया है। बी.आई.आर.एसी. के कार्यक्रम बायोएनस्ट ने तीन बायोटेक स्टार्ट–अप को 55 लाख रूपए का सीड ग्रांट प्रदान किया है। एफ.आई.टी.टी. द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित महिला उद्यमिता और सशक्तीकरण (WEE) कार्यक्रम को बढ़ावा दे रहा है। आई.आई.टी. दिल्ली में सप्ताहांत के दौरान WEE कक्षाएं आयोजित की गईं, जिसमें वैश्विक उद्योग के विशेषज्ञों ने महिला उद्यमियों का उल्लेख किया। इस WEE कार्यक्रम के चौथे चरण के दौरान 14 महिलाओं को पुरस्कार के लिए चुना गया था।

एफ.आई.टी.टी. ने 'विंग' पहल के तहत महिला उद्यमियों के लिए क्षमता विकास कार्यशालाओं के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में इन्वेस्ट इंडिया के साथ भागीदारी की

है। यह कार्यक्रम पूरे उत्तर भारत में 30 कार्यशालाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों को मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करने का इरादा रखता है। उत्तर भारत में स्टार्ट–अप के आईपी और टेक हस्तांतरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए BIRAC द्वारा एफ.आई.टी.टी. को क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय के रूप में चुना गया है। राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत इस कार्यक्रम ने 3 वर्षों की अवधि के लिए 9 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। एफ.आई.टी.टी., भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने सामाजिक तन्मयता कार्यक्रम PARSH के लिए BIRAC के साथ भागीदारी की है। 18 महीने के लिए 50 हजार रुपये प्रति माह की मासिक फेलोशिप और प्रोटोटाइप विकास के लिए 5 लाख रुपये तक के अनुदान के साथ कुल 10 अध्येताओं की सहायता की जाएगी।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा दी गई डेफर्ड प्लेसमेंट पॉलिसी (क्च्च), एफआईटीटी द्वारा उन छात्रों के लिए लागू की जा रही है, जो TBIU में अपने स्टार्ट–अप आइडियाज को प्राप्त करने के लिए प्लेसमेंट से बाहर हो जाते हैं। वर्ष 2019–20 में, DPP के तहत 12 आवेदकों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। वर्ष 2020 में, श्री विश्वनाथ एस. हेब्बी को "ग्रामीण भारत के लिए सर्पदंश उपचार के लिए लोकोस्ट थेरेपी "शीर्षक के प्रस्ताव पर" 1969 के नवाचार फेलो (अवार्ड)" के लिए चुना गया। भा. प्रौ. सं. दिल्ली में स्नातक छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एफ.आई.टी.टी. द्वारा इस पुरस्कार का प्रबंधन किया जाता है। यह 1969 बैच के पूर्व छात्रों से प्राप्त विशेष निधियों द्वारा स्थापित किया गया है।

POSOCO पावर सिस्टम अवार्ड्स (PPSA) के 8वें संस्करण के दौरान, पावर सिस्टम ऑपरेशंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (POSOCO) और एफ.आई.टी.टी. द्वारा संयुक्त रूप से लागू किए गए, 15 पुरुस्कार डॉक्टोरल श्रेणी में और 15 उम्मीदवार मास्टर श्रेणी में चुने गए। पी.पी.एस.ए को सी.एस.आर. पहल के तहत पावर सिस्टम्स और उसके संबंधित क्षेत्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिये सम्मानित किया जाता है। प्रत्येक डॉक्टरल पुरस्कार विजेताओं को 1,00,000/– रुपये का नकद पुरस्कार और प्रत्येक मास्टर पुरस्कार विजेता को 40,000/– का नकद पुरस्कार दिया गया।

एफ.आई.टी.टी. और भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने I–TEC, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के सोनीपत कैंपस में नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन (AIM) के तहत एक सेक्शन 8 कंपनी बनाई है। कंपनी एआईसी (AIC), भा.प्रौ.सं. दिल्ली सोनीपत इनोवेशन फाउंडेशन, अटल इनोवेशन मिशन से सहयोग पर चलेगी, जो एक विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन सुविधा बनाने के लिए 10,000 वर्ग फुट से अधिक जगह और ऑपरेटिंग सुविधाओं के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ–साथ इनक्यूबेटी स्टार्टअप सहयोग करेगी।

सोना कॉमस्टार ने स्टार्ट–अप से अभिनव समाधानों का समर्थन करने के लिए एफ.आई.टी.टी. और भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ भागीदारी की है जो सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता, शहरी गतिशीलता के लिए समाधान प्रदान करते हैं। कार्यक्रम 80 लाख रूपए प्रति स्टार्ट–अपतक के वित्त पोषण सहायता प्रदान करेगा।

संकाय सदस्यों को वित्त–पोषण और व्यवसाय के माध्यम से सहायता करने और प्रौद्योगिकी–आधारित उत्पादों को विकसित करने और उद्यम बनाने के लिए सुझाव देने के लिए संकाय नवाचार और अनुसंधान–संचालित उद्यमिता (FIRE) कार्यक्रम के प्रारम्भ किया गया है। FIRE कार्यक्रम संकाय सदस्यों को अपने स्वयं के स्टार्ट–अप के माध्यम से अपनी तकनीक को बाजार के करीब ले जाने की सहायता प्रदान करेगा जहां वे अपने उपक्रमों के लिए पूर्ण समय प्रदान कर सकते हैं। वे संस्थान से अध्ययन (1 वर्ष) और ग्रहणाधिकार (2 अतिरिक्त वर्ष) का लाभ उठाने में सक्षम होने के साथ–साथ 50 लाख रुपये तक की धनराशि का लाभ उठा सकते हैं। शुरूआत के लिए तीन FIRE प्रस्तावों को पहली बार में मंजूरी दी गई है।

एफ.आई.टी.टी. ने पांच प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं– (i) एग्रीटेक क्षेत्र में स्टार्ट–अप के लिए इंडीग्राम लैब्स फाउंडेशन, (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी डोमेन में स्टार्ट–अप के लिए एस.टी.पी.आई. नोएडा, (iii) EngSUI कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता और सुझाव के साथ स्टार्ट–अप के लिए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, (iv) युवा भारती ट्रस्ट ने मध्य दिल्ली में एक एक्सटेंशन इनक्यूबेटर स्थापित करने के लिए और (v) कैमरा डेव्लपमेंट (मुख्य रूप से कस्टम इमेज सेंसर) एंड प्रोसेसिंग (egAI) के क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (NTRO)।

वैश्विक रूप से कोविड–19 महामारी के प्रकोप के बाद से, भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने समाज की तत्काल जरूरतों और स्वास्थ्य देखभाल के लिए स्वयं को तैयार किया है। मैं, वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में भा.प्रौ.सं. दिल्ली में कार्यरत शोधकर्ताओं द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को आपके समक्ष रखना चाहूंगा। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के कुसुमा स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज (KSBS) के शोधकर्ताओं ने कोविड–19 के लिए कोरोनावायरस परीक्षण किट विकसित की है जिसे अब आई.सी.एम. आर. ने भी मंजूरी दे दी है। माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा कोरोनोवायरस परीक्षण के लिए कोरोश्योर किट लॉन्च किया गया है। कोरोश्योर किट, जिसकी कीमत 399 रूपए है, बाजार में अभी तक की सबसे किफायती कोरोनावायरस परीक्षण किट है और इसे ड्रग कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

ETEX जो कि भा. प्रौ. सं. दिल्ली का एक स्टार्ट–अप है जिसने कोविड–19 के से लोगों की रक्षा और सुरक्षा के लिए एक सस्ती और प्रभावी फेस मास्क, 'कवच' लॉन्च किया है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने सुपरकंप्यूटर पर आधारित कोविड–19 अनुसंधान के लिए प्रस्ताव पेश किए हैं, जबकि 1 करोड़ रुपये का कम्प्यूटेशनल टाइम पूर्णतः निशुल्क है।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली के शोधकर्ताओं ने वेब–आधारित कोविड–19 डैशबोर्ड AC PRACRITI* (PRediction and Assessment of CoRona Infections and Transmission in India) विकसित किया है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के शोधकर्ताओं ने किफायती और पूर्णतः ढकने वाली पीपीई विकसित की है जिसमे पर्याप्त मात्रा में सांस ले पाने की क्षमता है। कुल 4.5 मिलियन निर्यात गुणवत्ता वाले

पीपीई की आपूर्ति भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट–अप द्वारा की गई।

कॉर्पोरेट संबंध

वर्ष 2016 में स्थापित, ऑफिस ऑफ कॉर्पोरेट रिलेशंस (सीआर) भा.प्रौ.सं. दिल्ली और उद्योगों के मध्य संबंधों को सक्रिय रूप से मजबूती प्रदान कर रहा है। विविध उद्योग अनुभव वाले प्रोफेशनलों की एक टीम द्वारा समर्थित, सीआर सक्रिय रूप से उद्योग से ज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण को उत्प्रेरित करने में लगा हुआ है। सीआर, क्रॉस–डिसिप्लिनरी लर्निंग एवेन्यू और क्रॉस–कल्चरल सॉल्यूशन बिल्डिंग को उत्प्रेरित करने के लिए बहु–सोसाइटी की पहलों को जोड़ता है। कॉरपोरेट रिलेशंस का उद्देश्य नवप्रवर्तन के लिए एक स्थायी वातावरण, उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है, और दुनिया भर के विभिन्न उद्योगों के लिए वैश्विक बाजार में इन मांगों को पूरा करने के लिए एक उत्तरदायी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

सीआर टीम ने पिछले एक वर्ष में महत्वपूर्ण अनुसंधान सहयोग (MoUs के माध्यम से) स्थापित करने में संस्थान की मदद की है। एगिलेंट टेक्नोलॉजीज ने अनुसंधान का समर्थन करने के लिए जैव–विज्ञान के लिए एक इनक्यूबेटर साइट स्थापित करने के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने दो कोविड–19 अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग करके भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ अपना जुड़ाव जारी रखा। दोनों परियोजनाएं आरटी–पीसीआर और एलिसा अससे तकनीकों का उपयोग करके कोरोनोवायरस का समय पर पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। मित्सुई ने संस्थान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और अपने मित्सुई पर्यावरण इंजीनियरिंग ट्रस्ट फंड के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों के अध्ययन पर एक परियोजना वित्त पोषित की है। धोलेरा इंडस्ट्रियल सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड (DICDL) ने जियोथर्मल, पी इलेक्ट्रिक और रोड पेवमेंट, इलेक्ट्रिकल बैटरी ऊर्जा भंडारण, फाउंडेशन डिजाइन टेक और ब्लॉकचौन में तीन शोध परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हुआवेई टेक्नोलॉजीज इंडिया ने केजी के लिए यूनिफाइड मल्टीमॉडल इंडेक्स और मल्टी लैंग्वेज एसपीओ एक्सट्रैक्शन पर दो शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कॉरपोरेट रिलेशंस टीम ने कोविड–19 संबंधित अनुसंधान के लिए सहयोग में तीव्रता लाने और विस्तार करने में मदद की है, इस प्रकार हमारे विशेषज्ञों को उच्च प्राथमिकता वाली परियोजनाओं जिसमें– स्वदेशी रूप से विकसित परीक्षण किट, संक्रमण रहित कपड़े, फेस शील्ड आदि शामिल हैं। टीम ने प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, सी.आई.आई, 45+ संकायों और भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा शुरू स्टार्ट–अप्स इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोगी रहे। टीम ने संभावित सहयोग के अवसरों के लिए 100 कंपनियों तक पहुंच बनाई है और अंततः डायग्नोस्टिक्स (10 परियोजनाओं) से लेकर थेरेप्यूटिक्स (13 परियोजनाओं) तक कुल 37 परियोजनाओं तक सहायक उपकरण (14 परियोजनाओं) पहुंचाये है।

भविष्य के लिए सहकार्यता पूर्व से ही हैं, जिनमे से कुछ नाम– माइक्रोन इंडिया ने अपनी यूआरएएम पहल के तहत साझेदारी के व्यापक उदेश्य से हस्ताक्षर किए हैं जिसके द्वारा सीएसआर पहलों के तहत कोविड–19 से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित किया जाएगा। माइक्रोन ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली के छात्रों को एक अंतरराष्ट्रीय रोबोटिक्स चेलेंज में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। भा.प्रौ.सं. दिल्ली की छात्र टीम ने डॉ. सुनील झा के मार्गदर्शन में यह अंतर्राष्ट्रीय UV रोबोट डिजाइन चौलेंज जीता। माइकल औरसुसान डेल फाउंडेशन डिजिटल डिवाइस और डेटा कनेक्टिविटी के साथ उन भा.प्रौ.सं. दिल्ली के छात्रों का समर्थन करने के लिए आगे आया है जो कोविड–19 महामारी से प्रभावित हैं और ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों की पहुँच से परे है।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली में उद्योग सहयोग के साथ स्थापित 5 नए केंद्रों सहित कुल 18 उत्कृष्टता केंद्र हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री ने 25 फरवरी, 2020 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में सेंटर फॉर एक्सिलेन्स फॉर रिसर्च इन क्लीन एयर (CERCA) द्वारा आयोजित स्वच्छ वायु प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जिसमें भा. प्रौ. सं. बॉम्बे, भा.प्रौ.सं. रोपड़, भा.प्रौ.सं. (ISM) धनबाद और भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा विकसित स्वच्छ वायु प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। भा. प्रौ. सं. दिल्ली ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट–अप एरोग्राम और क्रिया लैब्स के माध्यम से स्वच्छ वायु के क्षेत्र में किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया।

ऊर्जा और पर्यावरण के लिए उत्कृष्ट ऊर्जा केंद्र, IIT दिल्ली ने 19 फरवरी 2020 को आयोजित एक समारोह में द्वितीय वार्षिक स्थिरता नेतृत्व पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किया। ये पुरस्कार, ऊर्जा और पर्यावरण के लिए रेवन्यू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित किया गया है, जो कि भा.प्रौ.सं. दिल्ली के छात्रों द्वारा जलवायु परिवर्तन/स्थिरता और पर्यावरण के संबंध में छात्रों के बीच जागरूकता और रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए प्रदान किया जाता है।

धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने उद्यमिता विकास के लिए डीएस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ एक समझौता किया है जो नवोदित उद्यमियों के लिए एक संरचित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा और स्वयं को उद्यमिता पर एक विश्वसनीय वैश्विक इकाई के रूप में विकसित करेगा। केंद्र का उद्देश्य महत्वपूर्ण आंतरिक गतिविधियों के रूप में प्रशिक्षण और मेंटरशिप के साथ उद्यमिता का पोषण करना है; यह उद्योग और निवेश समुदाय के साथ संबंधों को भी पोषण देगा। एक स्पर्धा के माध्यम से प्रतिभाशाली और उभरते उद्यमियों की पहचान की जाएगी। चयनित टीमों को उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र के साथ–साथ प्रशासनिक सहायता और मेंटरशिप में स्थान प्रदान किया जायेगा। उत्कृष्टता केंद्र उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर के संगठनों के लिए, दीर्घकालिकता के साथ वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनुदान और समर्थन की प्रदान करेगा है। डीएस ग्रुप

ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उद्योग और शिक्षाविदों के बीच व्यापक और गहन बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए "डीएस चेयर ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)" की स्थापना में भी योगदान दिया है।

जे.के. पेपर ने मुख्य रूप से 3 साल की अवधि के लिए पैकेजिंग में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। निकट अवधि में, केंद्र पैकेजिंग के क्षेत्र में प्रतिभाशाली शोधकर्ताओं और उभरते अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की पहचान करेगा और टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल पेपर आधारित पैकेजिंग समाधान से संबंधित कई परियोजनाओं को शामिल करेगा। लंबी अवधि में, केंद्र धीरे–धीरे पैकेजिंग पर एक विश्वसनीय, वैश्विक इकाई के रूप में खुद को स्थापित करने का लक्ष्य रखेगा। यह अनुसंधान और विकास केंद्र जे के पेपर को एक स्थापित पैकेजिंग समाधान प्रदाता से लैस करेगा। यह साझेदारी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के परिणामों के आधार पर और सीमा तक सीमित है।

अनुसंधान सहकार्यता को बढ़ावा देने के लिए, मेहता फैमिली फाउंडेशन, जूमकार, शेल और ट्विटर के प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया और चर्चा की। सीआर टीम ने उद्योग प्रतिनिधियों और संस्थान के शोधकर्ताओं के बीच केंद्रित संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए उद्योग विशिष्ट बैठकों का आयोजन किया है। इस श्रृंखला में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में नवंबर 2019 में फिनलैंड दिवस का आयोजन किया गया था, जिसमें स्थायी सचिव – आर्थिक मामलों और रोजगार मंत्रालय, भारत के फिनलैंड के दूतावास के राजदूत, और आर्थिक मामलों, शिक्षा, संस्कृति और व्यापार फिनलैंड मंत्रालय और रोजगार मंत्रालय के अन्य अधिकारी शामिल थे। सरकारी अधिकारियों के साथ एक प्रतिनिधिमंडल फिनलैंड की शीर्ष 10 कंपनियों का प्रतिनिधित्व कर रहा था, जैसे कि टाम्परे शहर, आईक्यूएम फिनलैंड ओए, रेकटर, रामबोल फिनलैंड ओए, क्वुपा, नोकिया, कोन और फोर्टम। तकनीकी सहयोग के क्षेत्रों में इमेजिंग, क्वांटम कम्प्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वायु प्रदूषण शामिल थे। उद्योग साझेदारी के साथ, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के लिए द यूनिवर्सिटी ऑफ टाम्परे के साथ भी चर्चा हुई। एमओयू पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया जारी है।

जनवरी 2020 को डेंसो डे का आयोजन किया गया था, यह आयोजन प्रौद्योगिकी सहयोग और छात्र भर्ती पर केंद्रित था। इसमें तीन प्रमुख केंद्र बिन्दुओं पर चर्चा और विचार–विमर्श शामिल थे: FIoT : फैक्टरी IoT, MaaS : गतिशीलता एक सेवा के रूप में, स्वायत्त वाहन। इस समारोह में डेंसो के उपाध्यक्ष, श्री हिरोयुकी वाकबायशी और विभिन्न भा.प्रौ.सं. दिल्ली संकाय सदस्य उपस्थित थे। इसके परिणामस्वरूप प्रो. सुबोध शर्मा (CSE) के साथ 'स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स संचालित ब्लॉक चौन एप्लिकेशन' के विकास के लिए एक परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अनुसंधान परियोजना 2 वर्षों की अवधि के लिए चलेगी।

फरवरी 2020 में, 'भा.प्रौ.सं. दिल्ली में नैनो 2020' का आयोजन भारत के सबसे बड़े नैनो टेक्नोलॉजी कार्यक्रम

''बंगलूरू इंडिया नैनो 2020'' के 11वें संस्करण के लिए किया गया था। इसने उद्योग–अकादमिक सहभागिता की मेजबानी की, जबकि उपस्थित लोगों ने नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भा.प्रौ.सं. दिल्ली के वैज्ञानिकों के विभिन्न शोध कार्यों की एक झलक प्राप्त की।

टॉवर रिसर्च कैपिटल इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड को टॉवर रिसर्च कैपिटल द्वारा उनके सीएसआर कार्यक्रम के तहत स्नातक छात्रों के लिए प्रति शैक्षणिक वर्ष में प्रति छात्र 2 लाख रुपये की मेरिट छात्रवृत्ति के रूप में स्थापित किया गया है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली में 6 नवंबर, 2019 को ऑनलाइन हैकर रैंक टेस्ट आयोजित किया गया था। कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग, गणित और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से द्वितीय और तृतीय वर्ष के अड़तीस छात्रों ने भाग लिया।

टीसीएस रिसर्च स्कॉलर प्रोग्राम के तहत, टीसीएस ने जूनियर फैलोशिप के लिए स्कॉलरशिप राशि बढ़ाकर 41,000 रूपए प्रति माह और सीनियर फैलोशिप को 45,000 रूपए प्रति माह और मौजूदा पांच स्कॉलरों में दो और स्कॉलरों को जोड़ा है।

आगामी और नियोजित गतिविधियों में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में शुरू किए गए स्टार्ट–अप के लिए अभियान चलाए जाएंगे। ऑटोमोबाइल उद्योग के क्षेत्र में जेट्रो (जापान बाहरी व्यापार संगठन) के साथ एक ऑनलाइन कार्यक्रम की योजना है।

आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) का विकास

अनुदान एवं फंड का उपयोग संस्थान के बुनियादी ढांचे के निरंतर उन्नयन में किया जाता है, जिसमें शैक्षणिक परिसर, अनुसंधान इंफ्रास्ट्रक्चर, आवासीय सुविधाएं या संस्थान परिसर के निवासियों के लिए मनोरंजक सुविधाएं शामिल हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एक लंबी सतत प्रक्रिया है, कई मौजूदा परियोजनाओं को कुछ वर्ष पहले लिया गया था और अब वह पूर्ण होने के चरण में हैं। उनमें से, नालंदा रिसर्च स्कॉलर्स अपार्टमेंट चरण–I का निर्माण हर प्रकार से पूरा हो चुका है। इंजीनियरिंग ब्लॉक 99 बी तथा 99 सी, रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क और इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए निर्माण पूरे ज़ोरों पर है। डायमंड जुबली ब्लॉक (अकादमिक ब्लॉक 103 के नाम से जाना जाता है), केंद्रीय अनुसंधान सुविधा के लिए सोनीपत परिसर में परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (SATHI) भवन के निर्माण के लिए नई परियोजनाएं शुरू और अनुमोदित की जा रही हैं।

विश्व स्तर के अनुसंधान संकायों को गुणवत्ता वाले उपकरणों के साथ पूरक होने की आवश्यकता है। इस संबंध में, सोनीपत परिसर में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा के लिए, लगभग ₹ 200 करोड़ के उपकरणों की खरीद और स्थापना HEFA ऋण तथा IOE अनुदान के तहत की गई हैं।

आवास क्षमता बढ़ाने हेतु, 896 यूनिट्स वाला एक नया बॉयज हॉस्टल, 320 यूनिट्स वाला एक नया गर्ल्स हॉस्टल तथा 154 यूनिट्स के साथ अतिरिक्त संकाय आवास, इस वित्तीय वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा। यह छात्रों और संकाय दोनों के लिए परिसर में आवश्यक आवास की जरूरतों में सहायक होगा। संस्थान ने अतिरिक्त 105 संकाय अपार्टमेंट, 1450 की क्षमता वाले

बॉयज हॉस्टल के पुनर्विकास, 950 की क्षमता वाले गर्ल्स हॉस्टल तथा स्टाफ हेतु 21 'सी' टाईप क्वार्टरों के पुनर्विकास के लिए योजना बनाई है। इनका निर्माण पहले से ही IoE और EWS अनुदान के तहत किया जा रहा है। इसके अलावा, नालंदा रिसर्च स्कॉलर्स अपार्टमेंट (चरण–II) का निर्माण भी HEFA ऋण के माध्यम से किया जा रहा है। नई निर्माण परियोजनाओं की DPRs पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है।

संभावित विकास में, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MOHUA) ने आर.के. पुरम (सेक्टर–3) में 2.344 एकड़ भूमि आवंटित करने के लिए अनुकूल मानी है, जिसका उपयोग अतिरिक्त संकाय एवं कर्मचारियों के आवास निर्माण के लिए किया जाएगा।

आई.आई.टी. दिल्ली के झज्जर कैंपस के लिए, जो कि एम्स–दिल्ली के झज्जर कैंपस के पास है, हरियाणा सरकार ने भी नजफगढ़ ड्रेन के पास हमें आवंटित भूमि के बदले में 21 एकड़ जमीन आंशिक रूप से हस्तांतरित करने के लिए अनुकूल माना है।

संकाय (फैकल्टी) उपलब्धियां

आईआईटी दिल्ली एक मजबूत अनुसंधान समुदाय द्वारा समर्थित है, जिसके नेतृत्व में 562 सदस्यों की एक संकाय शक्ति है। 111 सदस्यों के एक अतिरिक्त शोध और अकादमिक स्टाफ द्वारा इसे कॉम्पलिमेंट किया गया है जिसमें 72 पोस्टडॉक्टरल फेलो शामिल हैं। 776 सदस्यों की वर्तमान स्वीकृत संख्या (स्ट्रैंथ) के साथ, संस्थान अगले पांच वर्षों के लिए चरणबद्ध तरीके से इस संख्या (स्ट्रैंथ) में विस्तार करना चाहता है। पिछले वर्ष में, संस्थान ने 80 नए संकाय सदस्यों को प्रस्ताव पेश किए हैं और उनमें से 61 संकाय सदस्य संस्थान में शामिल हो चुके हैं। 20 संकाय सदस्यों को अल्युमनी, इंडस्ट्री तथा संस्थान के आंतरिक संसाधनों द्वारा प्रायोजित चेयर फैकल्टी के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

हमारे संकाय सदस्य देश के बेहतरीन शिक्षविदों में से हैं और अनुसंधान, शिक्षण तथा पाठ्यक्रम विकास की गुणवत्ता के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। वे बड़ी संख्या में निर्णय लेने वाले निकायों के साथ संबद्ध होकर, नीतिगत मामलों व तकनीकी मुद्दों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन तथा सलाह प्रदान करके राष्ट्र के विकास में बहुत योगदान देते हैं। हमारे प्रतिष्ठित संकाय सहयोगियों ने विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और प्रबंधन के जगत में अपना प्रभाव कायम रखा है और संस्थान को गौरव दिलाने वाले सम्मान एवं पुरस्कार अर्जित करना भी कायम रखा है। उनमें से अनेक को पिछले एक साल के दौरान सम्मानों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है तथा कई पेशेवर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के फैलो के रूप में चुना गया। पिछले एक वर्ष में हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त कुछ उल्लेखनीय सम्मानों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रो. भीम सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को 2020 आई.ई.ई. आई.ए.एस. ऑउटस्टैंडिंग एजुकेटर/मेंटर अवार्ड के विजेता के रूप में घोषित किया गया है।

- प्रो. अनुराग एस. राठौर, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग को उनके नेतृत्व के अभिज्ञान तथा एडवांस्ड मेथड्स फॉर कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ हैट्रोजेनिटी इन बायोसिमिलर प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए एजीलेंट थॉट लीडर नामित किया गया है।
- प्रो. पूर्णिमा सिंह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक विकास प्रभाग के प्रेसिडेंट के रूप में चुना गया है।
- प्रो. सुधासत्वा बसु, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग को 'रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री' के एक फेलो के रूप में चुना गया है।
- प्रो. भीम सिंह, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को एकेडमी ऑफ इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग की गवर्निंग काउंसिल द्वारा INAE आउटस्टैंडिंग टीचर अवार्ड 2020 (कॉपी संलग्न) से सम्मानित किए गया।
- प्रो. एन. एम. अनूप कृष्णन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग को INAE यंग इंजीनियर अवार्ड 2020 के लिए चुना गया है।
- प्रो सुमित कुमार प्रमाणिक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, को INAE यंग इंजीनियर अवार्ड 2020 के लिए चुना गया है।
- प्रो. नवीन गर्ग, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो।
- प्रो. कमल किशोर पंत, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो।
- प्रो. इंद्र नारायण कर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो।
- प्रो. जयदेव, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो।
- प्रो. सुधसत्वा बसु, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो।
- प्रो. समरेश दास, CARE, को इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट स्ट्रक्चर्स एंड सिस्टम्स (आईएसएसएस, डिपार्टमेंट ऑफ एरोस्पेस इंजीनियरिंग, आईआईएससी), यंग साइंटिस्ट अवार्ड–2019 के लिए सम्मानित किया गया है।
- प्रो. पूर्णिमा सिंह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी, इंडिया के फेलो चुने गए हैं।
- प्रो. एस.के. कौल, को ''आई.ई.ई.ई. लाइफ फेलो'' से सम्मानित किया गया है।''
- प्रो. अभिषेक दीक्षित, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) का फेलो चुना गया है।
- प्रो. काव्य दशोरा, ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, को इनोवेशन इन फूड अवार्ड PETA से सम्मानित किया गया है, प्लांट आधारित स्रोतों से मॉकगेज को विकसित करने के शोध परिणाम।
- प्रो. वी. रामगोपाल राव, निदेशक, आई.आई.टी.

दिल्ली को 1 जनवरी, 2020 से तीन वर्षों की अवधि के लिए नैनो लेटर्स के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया है, जो कि एक बहुत ही प्रतिष्ठित पत्रिका है जिसका 12 का इम्पैक्ट फैक्टर है।

- प्रो. सप्तऋषि मुखर्जी को जापान में रिसर्च के लिए द जापान सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (JSPS) इनविटेशनल फैलोशिप से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. सुमितवा मुखर्जी को डिसिप्लिन एवं प्रोफेशन के रूप में मनोविज्ञान में उनके सराहनीय योगदान के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी इंडिया के अवॉर्ड ऑफ यंग साइकोलोजिस्ट के लिए चुना गया है।
- प्रो. दीप्ति रंजन साहू, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) का फेलो चुना गया है।
- प्रो. ऋचा कुमार, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग ने 45 साल से कम उम्र के उत्कृष्ट सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए द मैल्कम (Malcolm) एंड अदिसेशिया ट्रस्ट नेशनल अवार्ड जीता है।
- प्रो. अभिषेक दीक्षित, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स "IETE" के एक फेलो के रूप में चुना गया है।
- प्रो. एम. बालाकृष्णन, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, को समग्र शोध योगदान के लिए "सुलोचना एंड कर्नल ए. कृष्णास्वामी VrC VSM फैकल्टी लाइफटाइम रिसर्च अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार की स्थापना हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री के. अनंत कृष्णन द्वारा की गई थी।
- प्रो अमित कुमार, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, को बेसिक रिसर्च के लिए "प्रो. पी.सी.पी. भट्ट फैकल्टी रिसर्च अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार की स्थापना हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री के. अनंत कृष्णन द्वारा की गई थी।
- प्रो. अश्विनी कुमार अग्रवाल, कपड़ा और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग को एप्लाइड रिसर्च के लिए "प्रो. के. एल. चोपड़ा फैकल्टी रिसर्च अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार की स्थापना हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री के. अनंत कृष्णन द्वारा की गई थी।
- प्रो. राजेंद्र सिंह ढाका, भौतिकी विभाग तथा प्रो. समरेश दास, सेंटर फॉर एप्लाइड रिसर्च इन इलेक्ट्रॉनिक्स (CARE), को संयुक्त रूप से 'वीणा अरोड़ा अर्ली करियर रिसर्च अवार्ड' से सम्मानित किया गया था, जिसे हमारे पूर्व छात्र श्री नीरज अरोड़ा द्वारा स्थापित किया गया था।
- प्रो. सप्तऋषि मुखर्जी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, ने डीएसटी के तहत साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (SERB) से ''क्वांटिटेटिव सोशल साइंसेज केटेगरी (गेम थ्योरी)'' के लिए पुरस्कार प्राप्त किया है।

- प्रो. श्रीदेवी उपाध्यायुला, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग को के–मॉडल : क्विक एंड एक्यूरेट प्रिडिक्शन ऑफ क्रूड ऑइल ब्लेंड कम्पेटिबिलिटी एंड ब्लेंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ N–नंबर्स ऑफ फ्रूड ऑयल हेतु सेक्रेटरी, गर्वनमेंट ऑफ इंडिया, मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नैचुरल गैस द्वारा 'इनोवेशन अवार्ड–2018' से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. शशांक दीप, रसायन विभाग को 'फेलो ऑफ द रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री' (FRSC) के फैलो के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अश्विनी कुमार अग्रवाल, प्रोफेसर, टेक्सटाइल एंड फाइबर इंजीनियरिंग विभाग को 20–21 फरवरी, 2020 को अहमदाबाद में आयोजित 33 वें नेशनल कन्वेंशन ऑफ टेक्सटाइल इंजीनियर्स के अवसर पर इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा 'एमिनेंट इंजीनियरिंग पर्सनालिटी' से सम्मानित किया गया।
- प्रोफेसर काव्या दशोरा को भारत तथा विश्व स्तर पर कृषि, नैनो प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में 15 वर्षों के उनके उत्कृष्ट शोध एवं शिक्षण के अभिज्ञान में सोसायटी फॉर रिसर्च इन बायोलॉजिकल साइंसेज द्वारा 'एसआरबीएस वीमेन साइंटिस्ट अवार्ड 2020' से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. वसंत मत्सागर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, इंस्टीट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स (यूके) द्वारा प्रकाशित स्ट्रक्चर्स एंड बिल्डिंग्स जर्नल के संपादकीय बोर्ड में शामिल हो गए हैं। उन्हें इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो के रूप में भी चुना गया है।
- प्रो. अभिषेक दीक्षित, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को आई.ई.ई.ई. ट्रांजैक्शंस ऑन डिवाइस एंड मटेरियल रेलयाबिलिटी (टीडीएमआर) के संपादकीय बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- प्रो. (सुश्री) पूर्णिमा सिंह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, को स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित साइकोलॉजिकल स्टडीज के प्रधान संपादक के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अशोक के. गांगुली, रसायन विज्ञान विभाग को 2020–2023 के लिए केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर) के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है।
- प्रो. संजीव सांघी, एप्लाइड मैकेनिक्स विभाग को प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, पार्ट ए : जर्नल ऑफ पावर एंड एनर्जी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. शालिनी गुप्ता, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग को 'नेशनल अवार्ड फॉर यंग वीमेन शोइंग एक्सीलेंस थ्रू एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी, फॉर सोसिऐटल बेनिफिट्स' सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार डीएसटी द्वारा स्थापित किया गया है।
- सुश्री नेहा सिंह पीएच.डी. स्कॉलर ने सीबीएमई में प्रोफेसर अमित मेहंदीरत्ता के साथ, विज्ञान और

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए तथा मानव समाज के लिए फायदेमंद अपने नए–नए विचारों हेतु ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ऋषिकेश (उत्तराखंड) द्वारा सोसाइटी ऑफ यंग बायोमेडिकल साइंटिस्ट (एसवाईबीएस), भारत के तत्वावधान में ''वीमेन एक्सीलेंस अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। सुश्री नेहा ने आई.आई.टी. दिल्ली में पीएचडी शोध के दौरान यह कार्य किया।

- प्रो. अर्पण के. कर, प्रबंध अध्ययन विभाग को प्रतिष्ठित ''बी.के. बिरला डिस्टिंगुइश्ड रिसर्च स्कॉलर अवार्ड्स फॉर सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट 2019'' के लिए भारत में दूसरा स्थान दिया गया है।
- प्रो. विभा अरोड़ा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को सेज द्वारा प्रकाशित इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी की फ्लैगशिप पत्रिका, सोशियोलॉजिकल बुलेटिन के संपादकीय बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- प्रो. नोमेश बोलिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को DAAD 'रिसर्च स्टेय्स 2020' प्रोग्राम के लिए नामांकित किया गया है, जहां उन्हें समर्स के लिए UDE (जर्मनी) द्वारा EV बैटरी के रिवर्स लॉजिस्टिक्स पर अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए होस्ट किया जाएगा।
- प्रो. सग्निक डे, सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक साइंसेज को एसोसिएट एडिटर के रूप में एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट (एल्सेवियर जर्नल) में शामिल किया गया है, और जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर) के एडिटोरियल बोर्ड में शामिल हुए हैं।
- प्रो. राजेंद्र सिंह ढाका, भौतिकी विभाग को इंडियन नेशनल यंग अकैडमी ऑफ साइंस (INYAS) के नेशनल कोर–कमेटी सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. स्वेदेस डे, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में श्री ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार 2019 के लिए चुना गया है।
- प्रो. जयन जे. थॉमस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को पहली चाइना–इंडिया विजिटिंग स्कॉलर्स फैलोशिप 2020 से सम्मानित किया गया है। यह अशोक यूनिवर्सिटी तथा चाइना–इंडिया फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक फैलोशिप है।
- प्रो. शशांक दीप, रसायन विज्ञान विभाग, रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी (थ्ेठ) के एक फेलो के रूप में चुने गए हैं।
- प्रो. राजेंद्र सिंह ढाका तथा प्रो. सास्वता भट्टाचार्य, भौतिकी विभाग; प्रो. (सुश्री) शालिनी गुप्ता, केमिकल इंजीनियरिंग विभागय तथा प्रो. (सुश्री) मणि मेहरा, गणित विभाग को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया के लाइफ मेंबर्स के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अनुपम दीवान, एप्लाइड मैकेनिक्स विभाग को

एसोसिएट एडिटर के रूप में, प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंस्टीटूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, भाग सीः जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस में शामिल किया गया है।

- प्रो. सम्राट मुखोपाध्याय, कपड़ा और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग को देशभर में फैले हुए IIHT (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी, केंद्रीय क्षेत्र IIHT, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं तथा राज्य क्षेत्र IIHT संबंधित राज्य सरकार और निकायों के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं) के दस संस्थानों के अकादमिक मामलों के बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।
- प्रो. वीरेंद्र के विजय, ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र (CRDT), को दिनांक 23.06.2020 से अगले दो वर्षों के लिए भारतीय नौसेना अकादमी (INA) केरल की शैक्षणिक समिति के लिए नामांकित किया गया है।
- प्रो. प्रबल तालुकदार, प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग तथा उपाध्यक्ष, गेट को अप्रैल, 2020 के माह में एएसएमई जर्नल ऑफ थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशन के एसोसिएट एडिटर के रूप में चुना गया है।
- प्रो. (सुश्री) धन्या सी.टी., सिविल इंजीनियरिंग विभाग को स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया है।
- प्रो. सयान रानू, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग और प्रो. मनन सूरी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज, बैंगलोर के एसोसिएट सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अर्पण कुमार कर, प्रबंध अध्ययन विभाग को एल्सेवियर (इनफार्मेशन साइंस यूनिट) द्वारा एक नई पत्रिका ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट डेटा इनसाइट्स'' का नेतृत्व करने के लिए एडिटर इन चीफ के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अशोक के. गंगुली, रसायन विज्ञान विभाग को द कॉउंसिल ऑफ द इंडियन सोसाइटी द्वारा ''प्रोफेसर जे एन मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड'', 2019 के लिए नामित किया गया है।
- प्रो. भीम सिंह, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को इंजीनियरिंग प्रोफेशन में प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), दिल्ली स्टेट सेंटर एमिनेंट इंजीनियरिंग पर्सनैलिटीज, ''एमिनेंट इंजीनियर अवार्ड फॉर द ईयर 2020'' से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. सुनील के. खरे, रसायन विज्ञान विभाग को बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष तथा वर्ष 2020–2021 के लिए एशियन फेडरेशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में इंडिया हेतु एग्जीक्यूटिव बोर्ड मेंबर के रूप में चुना गया है।

मानव संसाधन विकास

अपने शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक गतिविधियों में

उपयुक्त श्रमशक्ति के साथ विभागों केंद्रों, स्कूलों और प्रशासनिक इकाइयों का सहयोग करने तथा उन्हें मजबूत करने के लिए संस्थान के भर्ती नियमों के अनुसार कर्मचारियों की भर्ती भी विभिन्न स्तरों पर की गई है। इस अवधि के दौरान, 32 प्रस्ताव जारी किए गए जिनमें 29 संस्थान में शामिल हुए। स्टाफ के सदस्यों को अपने विशेष क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया ताकि वे अपने विषय के ज्ञान को उन्नत और अद्यतन कर सकें।

शैक्षणिक गतिविधियाँ / कार्यक्रम

जब तक हम अपनी छात्र शक्ति और उनकी अकादमिक उत्कृष्टता पर प्रतिबिंबित नहीं करते, तब तक उपरोक्त सभी उपलब्धियाँ अप्रसंगिक हैं। आई.आई.टी. दिल्ली में कुल 29 अकादमिक इकाइयाँ हैं– 15 विभाग, 8 केंद्र और 6 स्कूल हैं। इस वर्ष एक नया स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ScAI) स्थापित किया गया है और यह सेमेस्टर, 2020–21 से पीएच.डी. छात्रों का दाखिला करेगा।

शैक्षणिक वर्ष 2020–21 तक, ये शैक्षणिक इकाइयाँ कुल 13 बी.टेक. और 3 इंटीग्रेटेड बी.टेक. / एम.टेक. (डुअल डिग्री) कार्यक्रम, सभी शैक्षणिक इकाइयों में पीएच. डी. डिग्री, 40 एम.टेक. कार्यक्रम, 14 एम.एस. (रिसर्च) स्ट्रीम्स, 5 एम.एससी. डिसिप्लिंस, 3 एम.बी.ए. कार्यक्रम, मास्टर ऑफ डिजाइन तथा पी.जी.डी.आई.आई.टी. (नेवल कंस्ट्रक्शंस) प्रदान करती हैं। आई.आई.टी. दिल्ली दो शीर्ष साझेदार यूनिवर्सिटीज, द यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा नेशनल चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान के साथ संयुक्त पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रम भी प्रदान करता है। हाल ही में, NITIE, मुंबई के साथ एक संयुक्त पीजी डिप्लोमा शुरू किया गया है। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में, आई.आई.टी. दिल्ली शोध कार्यों में महत्वपूर्ण प्रयासों के अतिरिक्त, छात्रों द्वारा लिए गए लगभग 1670 पाठ्यक्रम पढ़ाता है।

वर्तमान में 4450 स्नातक, 3131 स्नातकोत्तर (नॉन–पीएच.डी.) छात्र, तथा 3319 पीएचडी छात्र हैं। इस वर्ष 1209 स्नातक छात्र, 1420 स्नातकोत्तर छात्र (नॉन–पीएच.डी.) तथा 612 पीएच.डी. छात्रों को आई.आई.टी. दिल्ली में प्रवेश दिया गया है। हमारे पास अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स में 15% लड़कियां हैं और कुल मिलाकर 23% लड़कियां हैं।

इस वर्ष, आई.आई.टी. दिल्ली ने 7 नए कार्यक्रम पेश किए हैं, 5 स्नातकोत्तर स्तर पर और 2 स्नातक स्तर पर। स्नातकोत्तर स्तर पर शुरू किए गए नए कार्यक्रम हैं: (i) इंटरडिसिप्लिनरी एम.टेक. प्रोग्राम इन साइबर सिक्योरिटी, (ii) सेंटर फॉर ऑटोमोटिव रिसर्च एंड ट्राइबोलॉजी (CART) में एम.एस. (रिसर्च) कार्यक्रम (iii) आई.आई.टी. दिल्ली और एन.आई.टी.आई.ई. मुंबई के बीच विजनरी लीडरशिप इन मैन्युफैक्चरिंग (वी.एल.एफ. एम.) में संयुक्त पी.जी. डिप्लोमा, (iv) मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में अर्थशास्त्र में एमएससी, (V) मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में कॉग्निटिव साइंस में एम.एससी.। स्नातक स्तर पर (जेईई एडवांस के माध्यम से प्रवेश), दो नए कार्यक्रम पेश किए गए हैं: (i) अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में इंजीनियरिंग में बी.टेक. तथा कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स प्रोग्राम, तथा (ii) मैटेरियल्स साइंस और इंजीनियरिंग विभाग में मैटेरियल्स इंजीनियरिंग में बी.टेक.।

संस्थान में अतिरिक्त कार्यक्रम चर्चा के विभिन्न चरणों में सक्रिय विचार एवं विकास के अधीन हैं, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस में प्रस्तावित एम.टेक., इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन में प्रस्तावित एम.टेक., प्रस्तावित मास्टर्स इन पब्लिक पॉलिसी, प्रस्तावित बैचलर ऑफ डिजाइन, प्रस्तावित बी.टेक. (डिजाइन), तथा प्रस्तावित एनर्जी इंजीनियरिंग में बी.टेक.। इन कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम और अन्य मापदंडों पर काम किया जा रहा है तथा पर्याप्त आंतरिक जांच व बाहरी समीक्षा के पश्चात इन्हें यथोचित पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना प्रस्तावित है।

आई.आई.टी. दिल्ली को शिक्षा मंत्रालय ने अपने दो प्रमुख कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (PMRF) कार्यक्रम तथा आसियान–पीएच.डी. कार्यक्रम में राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में कार्य करने के लिए नामित किया था। आई.आई.टी. दिल्ली इनमें सभी आवश्यक समन्वय एवं प्रशासनिक सहायता प्रदान कर रहा है तथा दोनों कार्यक्रम बहुत अच्छे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

इंस्टीट्यूट ने ड्राइविंग यूथ एडवांसमेंट के लिए वर्चुअल एंड इंटरएक्टिव–लर्निंग को सक्षम करने हेतु ब्रांड नामतः मटप्क्ल। के तहत कंटीन्यूइंग एजुकेशन प्रोग्राम मोड में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी है। यह आई.आई.टी. दिल्ली में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए छात्रों और पेशेवरों की एक बड़ी संख्या तक पहुंच प्रदान करेगा। eVIDYA का उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इंडस्ट्री, ओपन पार्टिसिपेंट्स की जरूरतों को पूरा करना है। eVIDYA पहल साइबर फिजिकल सिस्टम/सिक्योरिटी, नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण व रूपांतरण, एंबेडेड सिस्टम्स, मशीन लर्निंग, कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऐनरोबिक डाइजेशन और कंप्रेस्ड बायोगैस प्रौद्योगिकी, मइक्रोफ्लूडिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, 5 जी और 6 जी के लिए मैसिव मशीन टाइप कम्युनिकेशन्स, बियॉन्ड 5 जी और 6 जी कम्युनिकेशन्स हेतु प्रौद्योगिकी और कई और अधिक जैसे राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम शुरू करेगी।

'आई.आई.टी. दिल्ली – एन.आई.टी. अर्ली एडमिशन टू पीएच.डी.' कार्यक्रम शुरू किया गया था तथा एन.आई.टी. अगरतला, एन.आई.टी. तिरुचिरापल्ली व एन.आई.टी. वारंगल के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एन.आई.टी. के चयनित छात्र आई.आई.टी. दिल्ली में अपना अध्ययन शुरू कर चुके हैं। कई अन्य एन.आई.टी. के साथ चर्चा चल रही है। इस योजना के माध्यम से, हम एन.आई.टी. से मेधावी छात्रों को आई.आई.टी. दिल्ली में शार्ट टर्म प्रोजेक्ट्स को परस्यु करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं, कठिन चयन मानदंडों को पूरा करते हुए पाठ्यक्रम में भाग लें तथा आई.आई.टी. दिल्ली में पीएच.डी. के प्रारंभिक प्रस्ताव का लाभ उठाएं।

इस वर्ष वर्तमान पाठ्यक्रम में उचित संशोधनों को अपनाया गया था जो की वर्ष 2013 में लागू हुए थे। ये परिवर्तन एक समान भार वितरण के साथ पाठ्यक्रम को अधिक प्रासंगिक और छात्र के अनुकूल बनाएंगे। इसके अलावा, यू.जी. टीचिंग असिस्टेंटशिप प्रोग्राम को अब मेधावी एमएससी छात्रों को कवर करने के लिए बढ़ाया जाता है, जो अब चयनित यू.जी. पाठ्यक्रमों में

शिक्षण सहायक के रूप में काम कर सकते हैं, जो उन्हें भविष्य में संभावित संकाय के रूप में तैयार करने वाले मूल्यवान अनुभव देता है।

जब कोविड–19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन हुआ, तो संस्थान ने शिक्षण को तत्काल ऑनलाइन माध्यम में रूपांतरित किया। उन छात्रों के सहयोग के लिए पर्याप्त आउटरीच, सर्वेक्षण तथा पहल की गई, जिन्हें डिजिटल मोड में अध्ययन जारी रखने के लिए कहा गया था। सीनेट ने पीएच.डी. छात्रों के लिए ऑनलाइन डॉक्टरल डिफेंस का प्रावधान किया ताकि उनकी शैक्षणिक प्रगति तथा पूर्णता में न्यूनतम व्यवधान उत्पन्न हो। अकादमिक प्रशासन को पूरी तरह से ऑनलाइन लाया गया था ताकि छात्र अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को अपने घरों से भी कम से कम व्यवधान के साथ प्रबंधित कर सकें। पुस्तकालय के संसाधनों को इंटरनेट के माध्यम से परिसर के बाहर उपलब्ध कराया गया था। AGP : 'अल्टरनेट ग्रेजुएशन प्लान' को ग्रेजुएटिंग क्लास के लिए अपनाया गया था, ताकि छात्र समय के साथ ग्रेजुएट हो सकें और आगे की पेशेवर व्यस्तताओं में जा सकें।

जारी सेमेस्टर तथा अगले सेमेस्टर को ऑनलाइन मोड में आयोजित करने की योजना है और संस्थान, अपने प्रशासनिक कर्मचारियों के सहयोग के साथ, इस संबंध में किसी भी अप्रत्याशित चुनौती को लेने के लिए तैयार है। इस वर्ष, स्नातकोत्तर स्तर पर सभी चयन और साक्षात्कार, साथ ही छात्रों के ओरिएंटेशन एवं पंजीकरण ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। आने वाले यू.जी. छात्रों का स्वागत, ओरिएंटेशन तथा पंजीकरण भी इसी तरह से आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

प्रशिक्षण तथा स्थानन

कैरियर सेवा कार्यालय, एक महत्वपूर्ण सुगमता गतिविधि केंद्र के प्रमुख कार्यों में, उद्योग तथा विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में उपयुक्त नौकरियों के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को विश्व स्तर की नौकरी के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रैक्टिकल समर ट्रेनिंग्स, प्रतिष्ठित उद्योगों और संगठनों को आमंत्रण शामिल करना सम्मिलित हैं। OCS छात्रों के लाभ के लिए प्रतिष्ठित तकनीकी, औद्योगिक, प्रबंधन और अनुसंधान संगठनों से प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा पूर्व–प्लेसमेंट कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं, प्रैक्टिस टेस्ट्स तथा कैरियर परामर्श वार्ता भी आयोजित करता है।

संस्थान की प्रतिष्ठा के लिए स्नातक परिणाम बहुत महत्वपूर्ण हैं और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हर साल की तरह, इस साल भी, महामारी की चुनौतियों के बावजूद, 943 छात्रों को कैरियर सेवा के कार्यालय के माध्यम से रखा गया था। कंपनियों द्वारा ग्रेजुएटिंग क्लास के लिए कुल 1095 जॉब ऑफर किए गए, जिसमें 187 प्री–प्लेसमेंट ऑफर शामिल हैं, जबकि 60 छात्रों को एक से अधिक ऑफर मिले। लगभग 85.88ः छात्र, जिन्होंने ब्ै के माध्यम से सेवाओं का विकल्प चुना था उन्हें प्लेस किया गया था। शेष ने उच्च अध्ययन/अनुसंधान या अपने स्वयं के स्टार्टअप उपक्रमों पर काम करने का विकल्प चुना, जबकि कुछ को अपने दम पर नौकरी मिली। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आई.

आई.टी. दिल्ली में हर छात्र को नौकरी मिले और वह अपना करियर तय करे।

वर्तमान कोविड–19 महामारी की स्थिति के कारण, शैक्षणिक वर्ष 2020–21 हेतु सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन माध्यम में स्थानांतरित कर दी गई हैं, जब तक कि छात्र कैंपस में वापस नहीं आ जाते हैं। छात्रों के लिए समर इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए प्रक्रिया और नीतियों की ब्रीफिंग करते अभिविन्यास कार्यक्रमों के यूट्यूब पर ऑनलाइन लाइव सत्र आयोजित किए गए हैं और छात्रों के लिए कई वर्चुअल सत्र, प्लेसमेंट की तैयारी एवं तत्परता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। हमारे छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इंडस्ट्री लीडर्स तथा आईआईटी अल्युमनी एसोसिएशन के सहयोग से कई सूचना सत्र और विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई।

स्टूडेंट अफेयर्स

शैक्षणिक और अनुसंधान के अतिरिक्त, हमारा छात्र समुदाय सक्रिय है और स्टूडेंट अफेयर्स काउंसिल के माध्यम से विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेता तथा आयोजित करता है जिनमें छात्रावास प्रबंधन, मनोरंजन एवं रचनात्मक गतिविधियाँ, खेल गतिविधियाँ, छात्र प्रकाशन और छात्र कल्याण शामिल हैं। इच्छुक छात्रों के पास नेशनल सर्विस स्कीम (एन.एस.एस.), नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एनसीसी) तथा छात्र परामर्श सेवा में शामिल होने का अवसर है।

काइजेन (Kaizen), एन.एस.एस. आई.आई.टी. दिल्ली का एनुअल सोशल फेस्टिवल, भारत तथा विदेशों में सामाजिक रूप से प्रेरित सभी छात्र निकायों और गैर–सरकारी संगठनों के संयुक्त प्रयासों द्वारा शुरू किए गए हमारे समाज में निरंतर सुधारों को पहचानने का एक मंच है। आई.आई.टी. दिल्ली के 'सोशल फेस्ट काइजेन' 20 के दौरान 29 फरवरी और 1 मार्च, 2020 को आयोजित सोशल इनोवेशन चौलेंज, बुजुर्गों द्वारा सामना किए गए सोशल आइसोलेशन के मुद्दों से निपटने के लिए उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर दिन–प्रतिदिन की गतिविधियाँ के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अभिनव समाधानों पर केंद्रित था।

आई.आई.टी. खड़गपुर तथा आई.आई.टी. भुवनेश्वर में आयोजित 54 वें इंटर आई.आई.टी. स्पोर्ट्स मीट (छात्रों हेतु) में, आई.आई.टी. दिल्ली की टीम को ओवरऑल रनर–अप (महिला और पुरुष संयुक्त) तथा पुरुषों की श्रेणी में भी रनर्स–अप घोषित किया गया। आई.आई. टी. खड़गपुर में आयोजित 26 वें इंटर आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट में, आई.आई.टी. दिल्ली ने लगातार दूसरे वर्ष जनरल चौम्पियनशिप ट्रॉफी (पुरुष) जीती।

अंतर्राष्ट्रीयकरण

छात्र समुदाय के बीच विविधता, विनिमय और अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान प्रमुख कदम उठा रहा है। आई.आई.टी. दिल्ली ने विदेशी यूनिवर्सिटीज तथा सरकारों के साथ इस वर्ष 16 शैक्षणिक और अनुसंधान समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैंः लॉघबोरौघ यूनिवर्सिटी यू.के, एडिथ कवन यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया, अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ काइरो, L'Université D'Evry-Val-D'Essonne,

Universiti Sains Malaysia, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, द अमेरिकन यूनिवर्सिटी इन काइरो, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथर्न डेनमार्क फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग, के यू लेवेन बेल्जियम, यूनिवर्सिटी ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी हनोई, यूआईटी द आर्कटिक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्वे, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स यू के, पैडरबोर्न यूनिवर्सिटी, बार–इलान यूनिवर्सिटी, इजरायल एंड नेशनल यूनिवर्सिटी क्यूशू यूनिवर्सिटी ऑफ जापान।

भारत के साथ न्यूजीलैंड के शिक्षा संबंधों को आई.आई.टी. दिल्ली में न्यूजीलैंड यूनिवर्सिटी के नेतृत्व वाली अकादमिक कार्यशाला द्वारा मजबूत किया गया है, जिसका समापन आई.आई.टी. दिल्ली में न्यूजीलैंड केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन के साथ हुआ है। न्यूजीलैंड केंद्र सभी आठ न्यूजीलैंड यूनिवर्सिटीज तथा आई.आई.टी. दिल्ली के लिए शैक्षणिक गतिविधि का केंद्र बिंदु होगा। 10 और 11 फरवरी, 2020 को आई.आई.टी. दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला ने NZ यूनिवर्सिटीज तथा आई.आई.टी. दिल्ली के शिक्षाविदों को दीर्घकालिक अनुसंधान सहयोग के लिए परियोजनाओं पर चर्चा करने और उन्हें विकसित करने का अवसर प्रदान किया। चर्चा के तहत सहयोग प्राथमिकताओं में स्थायी शहर, स्वच्छ जल के लिए प्रौद्योगिकियां, साइबर सुरक्षा तथा डेटा विज्ञान, ऊर्जा और पर्यावरण अध्ययन, और उन्नत जैविक एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली तथा इंजीनियरिंग शामिल हैं।

पिछले वर्ष, संस्थान में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, बेनिन, भूटान, ब्राजील, बुर्किना फासो, बुरुंडी, कनाड़ा, इथियोपिया, गाम्बिया, गुइंया, गुयाना, ईरान, इंडोनेशिया, केन्या, लाइबेरिया, मेडागास्कर, नाइजीरिया, नेपाल, रवांडा, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, श्रीलंका, सोमालिया, सूडान, सीरिया, ताइवान, तुर्की, यू.एस.ए. जैसे 25 से अधिक देशों के छात्र थे तथा पिछले कुछ वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है।

इस वर्ष वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र डिनर – 'सेलिब्रेटिंग ग्लोबल कल्चर, एन ऑर्केस्ट्रा ऑफ डाइवर्सिटी' में एक इंटरैक्टिव और सांस्कृतिक शाम में फेलो विदेशी छात्रों को फैसिलिटेट किया गया था। इस तरह के अवसर भविष्य में एक बहुत बड़े परस्पर सांस्कृतिक आदान–प्रदान की शुरुआत है जहां संस्थान विदेशी और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों की एक बड़ी संख्या को फैसिलिटेट करने में सक्षम होगा। लॉकडाउन के दौरान, परिसर में रहने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के साथ, किसी भी चिंता को संबोधित करने के लिए नियमित परस्पर बातचीत का आयोजन किया गया था।

एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, 58 छात्रों को विदेशों में विभिन्न यूनिवर्सिटीज में स्टूडेंट ऐक्सचेंजेस के लिए पहचाना गया। दुर्भाग्य से, शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के लिए सभी इनबाउंड और आउटबाउंड स्टूडेंट ऐक्सचेंजेस को कोविड–19 के कारण रद्द करना पड़ा।

अल्युमनी अफेयर्स

आईआईटी दिल्ली पूर्व छात्रों व उनके अल्मा मेटर के बीच बातचीत पर बहुत जोर देता है। हमें अपने पूर्व छात्रों और उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। पूर्व छात्रों की सफलता सबसे महत्वपूर्ण यार्डस्टिक्स में से एक है जिसके द्वारा

हम अपनी उपलब्धियों को मापते हैं। एलुमनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल प्रोग्राम्स (AAIP) कार्यालय संस्थान की विभिन्न पहलों के लिए फंड जुटाने के लिए सक्रिय प्रयास कर रहा है। पिछला वर्ष आई.आई.टी. दिल्ली के लिए एक विशेष वर्ष रहा है क्योंकि इस वर्ष हम भारत में इस तरह का पहला ग्लोबल एलुमनाई एंडोमेंट फंड स्थापित करने का एक लम्बे समय से अभिलाषित स्वप्न पूरा करने में सक्षम हुए थे। इस पहल ने हमारे फंड रेजिंग के प्रयासों को बढ़ावा दिया है जो इस वर्ष लगभग तीन गुना अधिक हो गया है। इस वर्ष हमें पूर्व छात्रों के दान में रुपये 53.22 करोड़ प्राप्त हुआ है। इसमें से रुपये 46.75 करोड़ एंडोमेंट के रूप में प्राप्त हुए।

हाल के वर्षों में, AAIP कार्यालय ने कई अनुदान संचयन अभियानों (फंड रेजिंग कैंपेन) का आयोजन किया है और इनमें से कुछ काफी सफल रहे हैं।

1. गिविंग वीक: इस वर्ष 8 मार्च 2020 से गिविंग वीक का आयोजन किया गया। यह पहल सफल साबित हुई, इस कैंपेन के दौरान विभिन्न महाद्वीपों के पूर्व छात्र दानदाताओं से लगभग रुपये 16 लाख एकत्र किए जा रहे हैं।

2. ईच वन टीच वनः ''ईच वन टीच वन'' अभियान हमारे विश्वास से उत्पन्न होता है कि यदि प्रत्येक एलम को आई.आई.टी. दिल्ली में प्राप्त शिक्षा की लागत में योगदान करना है, तो विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में होने के लिए संस्थान के पास पर्याप्त संसाधन होंगे। इस वर्ष अभियान के दौरान कई पूर्व छात्रों ने हमारे आह्वान का ध्यान रखा और 16 लाख रुपये से अधिक का योगदान दिया गया।

3. स्टे–कॉनः यह पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच संबंध को विकसित करने के लिए एक पहल है तथा यह विशेष रूप से आई.आई.टी.डी. के युवा अलम को लक्षित है। एलुमनी जो इस पहल में भाग लेते हैं, वे आई.आई.टी.डी. को प्रति वर्ष एक निश्चित राशि (न्यूनतम 1000 रुपये) का भुगतान जितने वर्षों तक वे चाहें करते हैं।

AAIP यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी रखता है कि इन अभियानों में अधिक पूर्व छात्र भाग लें और संस्थान की उन्नति में योगदान दें।

आई.आई.टी. दिल्ली एंडॉमेंट मैनेजमेंट फाउंडेशन नामक सेक्शन 8 कंपनी की स्थापना के साथ, हम एंडोमेंट्स के उपयोग, निवेश और दान की एक औपचारिक और पारदर्शी संरचना लाना चाहते हैं। 1985 बैच के पूर्व छात्र, श्री विनय पिपरसानिया, एंडॉमेंट मैनेजमेंट फाउंडेशन के सीईओ के रूप में शामिल हुए हैं। वह अपनी टीम के निर्माण और एक लंबे समय से स्थायी फंड जुटाने की गतिविधियों के लिए प्रमुख पोर्टफोलियो की पहचान करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा, यूनाइटेड स्टेट्स में एक नया 501 (सी) (3) संगठन 'आई.आई.टी. दिल्ली एंडोमेंट फाउंडेशन' स्थापित किया गया है, जो उत्तरी अमेरिका में स्थित दाताओं से एंडोमेंट फंड में योगदान प्राप्त करने के लिए है।

इस वर्ष की शुरुआत में, संस्थान ने 1995 बैच के स्नातकों के लिए सिल्वर जुबली रीयूनियन, 1985 बैच के स्नातकों के लिए पर्ल रीयूनियन और 1979 के बैच के स्नातकों के लिए रूबी रीयूनियन का आयोजन किया। सभी पूर्व छात्रों को वार्षिक अल्युमनी दिवस पर

भी आमंत्रित किया गया था, जो पिछले वर्ष 22 दिसंबर 2019 को आयोजित किया गया था। रीयूनियन में पूर्व छात्रों की बहुत अधिक भागीदारी देखी गई। इस वर्ष की शुरुआत में मेलबर्न और सिडनी में दो ओवरसीज रीयूनियन के साथ पूर्व छात्रों की आउटरीच को और अधिक मजबूत किया गया था। ये रीयूनियन, संस्थान समुदाय और पूर्व छात्रों दोनों को शिक्षा, अनुसंधान और फंड रेजिंग में सहयोग के लिए विचारों को साझा करने और आदान–प्रदान करने में मदद करते हैं। हम निकट भविष्य में डिजिटल मोड के माध्यम से दुनिया के हर संभव हिस्से में इस तरह के इंटरैक्शन आयोजित करने की आशा करते हैं।

हमारे पूर्व छात्र इंडोइंग चेयर्स के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक प्रतिभा को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए संस्थान की क्षमता का सहयोग करना जारी रखते हैं:

क) 1995 बैच के पूर्व छात्र श्री प्रशांत गुप्ता ने क्वांटम कम्प्यूटिंग एंड हाई–परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में उमा–पुरुस्कर–लिरिल गुप्ता चेयर को बनाया है।

ख) 1996 बैच के पूर्व छात्र श्री विवेक एस वैद्य ने गणित के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए वैद्य सौलापूरकर चेयर बनाया है।

ग) 79 के बैच ने विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एक चेयर का समर्थन किया है।

घ) 1995 बैच के पूर्व छात्र डॉ. पंकज गुप्ता ने संस्थान में दो चेयर्स– ''निक मैककेन चेयर इन कंप्यूटर साइंस'' और ''पंकज गुप्ता चेयर इन प्राइवेसी एंड डिसेंट्रलाइजेशन'' का समर्थन किया है।

अल्युमनी पुरस्कार

संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व छात्रों द्वारा विशिष्ट उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है, प्रत्येक वर्ष उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, व्यवसाय, पेशे और/या सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए डिस्टिंगुइश्ड अल्युमनी अवार्ड तथा डिस्टिंगुइश्ड अल्युमनी सर्विस अवार्ड्स प्रदान करता है।

प्रतिष्ठित अल्युमनी पुरस्कार

इस वर्ष प्रतिष्ठित अल्युमनी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा– प्रो. एच. वी. जगदीश, बी.टेक., इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (1981), बर्नार्ड ए. गैलर कॉलेजिएट, प्रोफेसर ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन और प्रो. नेमकुमार बांठिया, एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग (1982), कनाड़ा रिसर्च चेयर तथा यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया में सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, टीचिंग एंड रिसर्च में उनके योगदान हेतु; प्रो. नेविल पिंटो, बी.टेक. केमिकल इंजीनियरिंग (1980), यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी (Cincinnati) के प्रेजिडेंट, शैक्षणिक नेतृत्व में उनके योगदान हेतु, श्री यश दहिया, बी.टेक. टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी (1994), सह–संस्थापक और ग्रुप सीईओ, PolicyBazaar.com और श्री दीपिंदर गोयल, इंटेग्रेटेड एम.टेक. गणित और कम्प्यूटिंग (2005) संस्थापक और

सीईओ, Zomato, उद्यमिता क्षेत्र में उनके योगदान के हेतु।

डिस्टिंगुइश्ड अल्युमनी सर्विस अवार्ड्स

इस वर्ष, डिस्टिंगुइश्ड अल्युमनी सर्विस अवार्ड, श्री विक्रम गुप्ता, बी.टेक केमिकल इंजीनियरिंग (1993), संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर, आइवीकैप वेंचर्स (IvyCap Ventures) को इंस्टीट्यूट के एंडोमेंट फंड की स्थापना में उनके योगदान हेतु प्रदान किया जाएगा।

ग्रेजुएट्स ऑफ लास्ट डिकेड (GOLD) अवार्ड्स

इस वर्ष हमने युवा अल्युमनी को पहचानने के लिए एक नई अल्युमनी की श्रेणी को जोड़ा है जिन्होंने पिछले दशक में स्नातक किया है और अपने क्षेत्रों में विशेष योगदान दिया है। इस वर्ष, प्रथम ग्रेजुएट्स ऑफ लास्ट डिकेड (GOLD) अवार्ड्स – प्रो. संजम गर्ग, बी.टेक.। कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (2008), असिस्टेंट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कली, टीचिंग एंड रिसर्च में उनके योगदान हेतु और श्री पंकज चड्ढा, बी.टेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग (2007), सह–संस्थापक जोमेटो और माइंडहाउस, उद्यमिता डोमेन में उनके योगदान हेतु।

मैं संस्थान की ओर से सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं।

आभारव्यक्त

मैं शिक्षा मंत्रालय, विभिन्न प्रायोजक एजेंसियों, सहयोगी उद्योगों संस्थानाओं और पूर्व छात्रों से प्रचुर मात्रा में प्राप्त सहायता के लिए उनके प्रति आभार व्यक्ति करता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से अभिशासक परिषद के सदस्यों और अपने सभी सहयोगियों से प्राप्त सहयोग और प्रोत्साहन के लिए हृदय से उनका आभार व्यक्ति करता हू और साथ ही अपने विद्यार्थियों के अनुकरणीय व्यवहार और परिसर के जीवन को समृद्ध करने के लिए उनके योगदान के लिए छात्रों की सराहना करता हूं।

अंत में, मैं संस्थान के 51 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने डिग्री और डिप्लोमा प्राप्त करने वाले प्रत्येक 2019 स्नातकों को तथा पुरस्कार/पदक/नकद पुरस्कार पाने वाले 105 स्नातकों को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

हमें विश्वास है कि संस्थान के साथ बने रहने ने आपको आजीवन सीखने की प्रक्रिया जारी रखने और चुनौतीपूर्ण करियर बनाने में सक्षम बनाया है। हमें यह भी विश्वास है कि आप देश और दुनिया को नेतृत्व प्रदान करेंगे जो कि आपसे अपेक्षित है। आप जो भी बनना चाहते हैं, उसमें हम आपकी सफलता की कामना करते हैं। अपने अल्मा मेटर के साथ संपर्क में रहें, उसमें सहयोग करें और आई.आई.टी. दिल्ली के मान को बनाए रखें। मुझे विश्वास है कि आप एक बेहतर दुनिया के लिए काम करेंगे जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग और प्रकृति के साथ सामंजस्य में, सामाजिक रूप से एक जिम्मेदार तरीके से किया जाएगा। हम आपको नौकरी देने वाले के रूप में बनता देखना चाहते हैं, हमेशा के लिए नौकरी करने वाले न रहें। संस्थान हमेशा आपका सेकंड होम होगा। आपके माता–पिता के बाद, यह संस्थान होगा जो आपकी सफलताओं की सराहना करेगा। यह भी मत भूलो कि आपकी शिक्षा

को करदाता के पैसे से 100% से 70% तक सब्सिडी दी गई है, जो पैसा एक भूखे बच्चे को भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रयोग किया जा सकता था। आपको बाद में, किसी समय में अपने इस ऋण को चुकाना होगा। यही एकमात्र तरीका है कि भारत अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्टता का पोषण कर उसे लम्बे समय तक बनाए रख सकता है।

मैं पुनः एक बार इस पावन अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी; सम्मानित अतिथि, माननीय शिक्षा मंत्री, श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी एवं माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय धोत्रे जी; अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, डॉ. आर. चिदंबरम तथा सभी विशिष्ट अतिथियों को आज हमारे साथ उपस्थित रहने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

धन्यवाद।

जय हिन्द!

वी. रामगोपाल राव

निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

7 नवंबर, 2020

अध्यक्ष, अभिशासक परिषद का दीक्षान्त संबोधन

माननीय मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय शिक्षा मंत्री– श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री– श्री संजय धोत्रे जी बोर्ड ऑफ गवर्नर के प्रतिष्ठित सदस्य, IIT दिल्ली के निदेशक प्रो. रामगोपाल राव, सीनेट के सदस्य, IIT दिल्ली के संकाय सदस्य एवं स्टाफ, आमंत्रित अतिथि, उपस्थित अभिभावकगण, आज यहां डिग्री प्राप्त कर रहे मेरे प्रिय युवा मित्रों!

बोर्ड ऑफ गवर्नस की ओर से, मुझे इस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे सम्मानित अतिथियों श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी और श्री संजय धोत्रे जी का बहुत ही सौहार्दपूर्ण और विशेष स्वागत करने में मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, IIT सिस्टम की वैश्विक ब्रांड इक्विटी बहुत अधिक हैय और समस्त IITs में, IIT दिल्ली को शीर्ष दो संस्थानों में स्थान दिया गया है। हाल ही में फै विश्व विषय रैंकिंग में, IIT दिल्ली को इंजीनियरिंग के लिए शीर्ष 50 संस्थानों में स्थान दिया गया है। आर एंड डी तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण और इंडस्ट्री कनैक्ट में पिछले कुछ वर्षों में IIT दिल्ली में जिन गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है, उन्हें देखते हुए, मुझे विश्वास है कि IIT दिल्ली रैंकिंग में शीघ्र बढ़ोत्री होगी। IIT दिल्ली मुख्य परिसर में एक नया 'अनुसंधान और नवाचार पार्क' का कार्य पूर्ण होने की कगार पर है। IIT दिल्ली में कुल 10900 छात्र/छात्राएं हैं जिनमें से लगभग 60% स्नातकोत्तर छात्र/छात्राएं हैं। वर्तमान में परिसर में 3319 शोध छात्र/छात्राएं हैं।

हमारे पास विभिन्न उन्नत और विविध अनुसंधान क्षेत्रों में अग्रणी शोधकर्ता हैं जो कि सैद्धांतिक गणित, फोटोनिक्स और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान से लेकर रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और न्यूरल नेटवर्क टू रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, क्लाइमेट चेंज, अर्वन वॉटर मैनेजमेंट और रुरल डेव्लपमेंट तक कई कार्यक्रम स्वाभाविक रूप से इंटर–डिपार्टमेंटल होते हैं, क्योंकि वैज्ञानिक विषय शाखाओं के मध्य अस्पष्टता बढ़ती जा रही हैं। इंजीनियरिंग में साइबर फिजिकल सिस्टम से लेकर वैल्यू एजुकेशन तक के विषयों के लिए यहां केन्द्रों की स्थापना की गई है।

विभिन्न दूरदर्शी विशेषताओं के साथ, सरकार द्वारा एक नई शिक्षा नीति की घोषणा की गई है जिसका स्वागत IIT दिल्ली के निदेशक सहित सभी IITs निदेशकों ने किया है। सभी युवाओं को अपनी प्रतिभा का विस्तार करने और अपनी प्रतिभा के अनुरूप करियर बनाने का अवसर मिलना चाहिए और नई शिक्षा नीति इसके लिए सभी अवसर प्रदान करती है। एक नई, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति पर भी विचार किया जा रहा है।

वर्ष 2014 में न्यूजीलैंड में विश्व विज्ञान सलाहकारों की बैठक में, हमने 'पॉलिसी फॉर साइन्स' और 'साइन्स फॉर

पॉलिसी' के मध्य भेद पर चर्चा की थी। देश के तीव्र गति से विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीकों का चयन करने के लिए क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज की आवश्यकता है, और नॉलेज इकॉनमी बनने के लिए, तथा नवीनतम वैज्ञानिक विकासों के आधार पर, समय–समय पर इनका पुनर्मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है।

मुझे लगता है, इस आधार पर, भारत के लिए कुछ क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज संबन्धित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियां जैसे कि– परमाणु, अंतरिक्ष, रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य और जल सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित प्रौद्योगिकियां; कृषि और खाद्य सुरक्षा; निम्न कार्बन ऊर्जा प्रौद्योगिकियां, जलवायु परिवर्तन/ग्लोबल वार्मिंग के खतरे का ध्यान रखना; उन्नत विनिर्माण; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस; MSME और सतत् ग्रामीण विकास के लिए आज योजनागत प्रौद्योगिकियां आवश्यक हैं। इन सभी क्षेत्रों में, हमें आत्मनिर्भरता विकसित करने की आवश्यकता है, जिसका उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत को बनाना है। मुझे यकीन है कि IIT दिल्ली इस लक्ष्य को हासिल करने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। निसंदेह आत्मनिर्भरता का मतलब यह नहीं है कि हम अन्तरराष्ट्रीय सहकार्यता न करेंय बल्कि हमें 'समान भागीदारी' (equal partner) के आधार पर सहकार्यता करना है और, अब यह हो रहा है।

आज डिग्रियां प्राप्त करने के बाद आप, युवा लोग अनुसंधान करने में, अथवा अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता अर्जित करने में, या उद्योगों में एक नए अध्याय की शुरूआत करने मे अपना करियर में अग्रसर होंगे। आप में से कुछ अपने स्वयं के उद्यम प्रारम्भ कर सकते हैं। मैं, आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं ।

धन्यवाद, जय हिन्द!

शपथ

मैं एतदद्वारा प्रतिज्ञा करता हूँ कि मेरा निरन्तर प्रयास रहेगा कि मैं एक इंजीनियर एवं वैज्ञानिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निवर्हन अति ईमानदारी से करूँगा।

मैं प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा और व्यवसाय की मान–मर्यादा बनाए रखूँगा।

मैं प्रौद्योगिकी और विज्ञान के अपने ज्ञान का उपयोग सामान्य रूप से देश और मानवता की सेवा करते हुए संस्थान की गरिमा के लिए करूँगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हौज खास, नई दिल्ली-110016 (भारत)
फोनः (91) 011-26591708
ई–मेलः webmaster@admin.iitd.ac.in
वेबसाईटः www.iitd.ac.in